Dainik Bhaskar (Indore), 19th April 2024, Page - 02

Idea Lab | कई सुविधाओं के बीच 24 घंटे काम कर रहे युवा, हर साल सफल हो रहे 10 स्टार्टअप

शहर में 15 इंक्यूबेशन सेंटर, हरेक में 30 से ज्यादा स्टार्टअप जुड़े, मिल रही 5 से 50 लाख की फंडिंग

गजेंद्र विश्वकर्मा | इंदौर

1200 में से आईटी के सबसे ज्यादा 432 स्टार्टअप, दूसरे नंबर पर एग्रीकल्चर और तीसरे पर है फूड

देश में स्टार्टअप शुरू करने की सबसे अच्छी जगह इंदौर बन रहा है। लगातार बढ़ते स्टार्टअप को देखते हुए चार साल में इंक्यूबेशन सेंटर की संख्या 15 हो गई है। इनमें कई सेंटर 24 घंटे को-स्पेस वर्किंग भी उपलब्ध करा रहे हैं। मेंटरिंग, फंडिंग में मदद के साथ ही कॉर्पोरेट माहौल मिल रहा है। यहां सिर्फ लैपटॉप साथ में लाना है बाकी सारी सुविधाएं जैसे कैफेटेरिया, हाई स्पीड इंटरनेट आदि 4 से 20 हजार में उपलब्ध है। आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से चल रहे स्मार्ट सिटी इंक्यूबेशन सेंटर, अटल इनोवेशन मिशन के इंक्यूबेशन के साथ ही आईआईटी और SGSITS के सेंटर 5 से लेकर 50 लाख रुपए तक की फंडिंग दे रहे हैं। इनमें युवाओं के हर साल करीब 10 स्टार्टअप सक्सेस हो रहे हैं।

5 साल में बढ़े 900 स्टार्टअप

2018	300
2019	450
2020	400
2021	700
2022	900
2023	1200

एक इंक्यूबेशन सेंटर पर काम करते स्टार्टअप के युवा।

शहर में करीब 1200 और इसमें सिर्फ आईटी सेक्टर के 432 स्टार्टअप हैं। इसके बाद एग्रीकल्चर के 142, फूड के 83, एआई के 48 और वेस्ट मैनेजमेंट के 42 स्टार्टअप हैं। इंक्यूबेशन से निकलने के बाद कई स्टार्टअप अपने खुद के ऑफिस यहीं शुरू कर रहे हैं। इसके लिए विजय नगर, भंवरकुआं, पलासिया और सुपर कॉरिडोर क्षेत्र को पसंद किया जा रहा है।

एक्सपर्ट सावन लढ्ढा का कहना है कि जिन स्टार्टअप के पास किराया देने की राशि नहीं होती उन्हें एमपी सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी में आर्थिक मदद दिला रहे हैं। इंक्यूबेशन का काम यहीं तक सीमित नहीं है। लीगल, बिजली, टैक्स, ऑफिस और एम्पलाई तक की तलाश करके दे रहे हैं। आईआईटी- आई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के आदित्य व्यास का कहना है कि हमारे यहां 64 स्टार्टअप हैं। इन्हें देश के नामी कंपनियों के अधिकारियों द्वारा मेंटरशिप दिलाई जा रही है। प्रोडक्ट तैयार करने के लिए आईआईटी की लैब में सभी तरह के रिसर्च साधन उपलब्ध कराए गए हैं। इंडस्ट्रीज से एमओयू किया है।

अब तक 1200 करोड़ की फंडिंग

इंदौर आंत्रप्रेन्योर नेटवर्क के फाउंडर अतुल भरत का कहना है कि इंजीनियरिंग के 35 से 40% और मैनेजमेंट के 15% युवा खुद का स्टार्टअप शुरू करने लगे हैं। शहर के कई कॉलेजों में इन्हें मदद करने के लिए इक्यूबेशन शुरू हो गए हैं। 2016 से अब तक 1200 करोड़ की फंडिंग यहां के स्टार्टअप को मिल चुकी है। डॉ. संजीव पाटनी ने कहा कि स्वच्छ शहर, कनेक्टिंग फ्लाइट, स्पेस, खान-पान, युवाओं की बेहतर संख्या और भी कई कारणों के चलते बाहर के युवा भी इंदौर आकर स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं। SGSITS के इंक्यूबेशन फोरम के सीईओ अपूर्व गायवाकं का कहना है कि हमारा फंडिंग बजट डेढ़ करोड़ का है। 13 स्टार्टअप को 45 लाख से ज्यादा की मदद दे चुके हैं। स्टार्टअप को रिसर्च, इनोवेशन में मदद के लिए टॉप संस्थानों से कनेक्ट करा रहे हैं।

यह सुविधाएं मिल रहीं

- CII, फिक्की मेंबर्स से कनेक्शन
- नामी कंपनी के अफसरों से मेंटरशिप
- फंडिंग के लिए इन्वेस्टर्स से रूबरू
- 4 से 20 हजार तक में वर्किंग स्पेस
- कम्प्यूटर, टेबल-कुर्सी और एसी
- कैफेटेरिया, सुरक्षा गार्ड, फ्री पार्किंग
- ट्रेनिंग के लिए इंडस्ट्री से टायअप

सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाले शहर के 3 स्टार्टअप

चाय सुट्टा बार : 2016 में 23 साल के अनुभव दुबे ने शुरुआत की। इस समय दुनियाभर में 400 से ज्यादा आउटलेट्स हैं। सालाना टर्नओवर 150 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

क्लास मॉनिटर : 2016 में विजित पांडे ने बच्चों को प्रैक्टिकल लर्निंग के प्रोडक्ट बनाने से शुरुआत की। 25 करोड़ से ज्यादा की फंडिंग मिली है। विदेश में भी सेवा दे रहे।

सुपरसोर्सिंग : आईटी कंपनी और डेवलपर को एक प्लेटफॉर्म पर लाने मयंक और अदिति चौरसिया ने लॉकडाउन में शुरू किया था। 9 करोड़ रुपए की फंडिंग मिल चुकी।